श्याम नाल अंख लड़ गई

लड़ गी लड़ गी श्याम नाल अंख लड़ गई.
नाल अंख लड़ गई मेरी अंख लड़ गई
लड़ गी लड़ गी श्याम नाल अंख लड़ गई.

घनी घनी मैं खिड़ खिड़ हसा लोकी पूछन ते की दसा,
बिन पिहाई चढ़ गी
श्याम नाल अंख लड़ गई

ना विच मंदिर ना मासिता ना जाना पूजा दिया रीता,
प्यार दी गोकुल विच बड़ गी,
श्याम नाल अंख लड़ गई

लभ दी फिरदी साह मैं पल पल,
जांदी पाई सा वृन्दा वल वल,
जांदी जांदी खड़ गी श्याम नाल अंख लड़ गई

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16593/title/shyam-naal-ankh-lad-gai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |